Trained Graduate teacher to Post Graduate teacher	1311	1116
Post Graduate teacher to Vice-Principal	657	552
Vice-Principal to Principal	176	136

(c) and (d) The promotion quota is determined each year on the basis of total vacancies of that year which takes into account the unfilled vacancies of the previous year. For 1997-98, the details of vacancies and promotional postings are as under:

	Vacancies	Promotions
Primary Teacher to Trained Graduate teacher	205	189
Primary Teacher to Head-Mesters	172	164
Trained Graduate teacher to Post Graduate teacher	153	129
Post Graduate teacher to Vice-Principal	145	94
Vice-Principal to Principal	25	19

दिल्ली के स्कूलों में आशुलिपि का शिक्षण

1919. **श्री महेश्वर सिंह:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दिल्ली के किन-किन स्कूलों में आशुलिपि और टंकण की व्यावसायिक शिक्षा दी जा रही है और उनका ब्यौरा क्या है;

(ख) कितने स्कूलों द्वारा नया पाठ्यक्रम लागू किया गया है, इसकी जांच के लिए कितनी निगरानी समितियां नियुक्त की गई हैं; और उन्होंने कितने स्कूलों का निरीक्षण किया, इनका तिथि-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) जिन प्रशिक्षकों मे नया पाठ्यक्रम लागू नहीं किया है उनके विरूद्ध क्या कार्यवाही की गई है; और

(घ) कितने स्कूलों में पूर्णकालिक प्रशिक्षण नियुक्त किये गये हैं; यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री मुही राम सैकिया): (क) और (ख) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने सूचित किया है कि 71 विद्यालयों में आशुलिपि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। नई दिल्ली नगर परिषद के तीन विद्यालयों में आशुलिपि/टाइप लेखन का व्यावसायिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। चालू सत्र में दिल्ली सरकार के चार विद्यालयों में आशुलिपि पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। व्यावसायिक शैक्षिक कार्यक्रम की मानिटरिंग एक सतत प्रक्रिया है। और इसे विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है।

(ग) इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए प्रश्न नहीं उठता कि व्यावसायिक पाठ्यक्रम शिक्षा निदेशक, दिल्ली के अनुमोदन से शुरू किए जाते हैं;

(घ) पाठ्यक्रम के शिक्षण का प्रबंध अल्प-कालिक प्रशिक्षकों की सहायता से किया जा रहा है। पूर्ण कालिक प्रशिक्षुकों की नियुक्ति न्यायालय में एक मुकदमे के कारण रोक दी गई है।

Appointment of Vocational Experts

1920. SHRI MAHESHWAR SINGH: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Pandit Sunderlal Sharma Institute of vocational education is not headed by vocational experts of any field;

(b) whether it is also a fact that the N.C.E.R.T. does not select persons from outside, howsoever qualified they may be, to work in their organisations; and

(c) if so, whether Government would consider the suggestion of appointments to higher posts by the U.P.S.C. so that fair selection could be made and the national cause may not suffer?